पंडित मोहन लाल की 26वीं पुण्य तिथि पर प्रार्थना सभा आयोजित

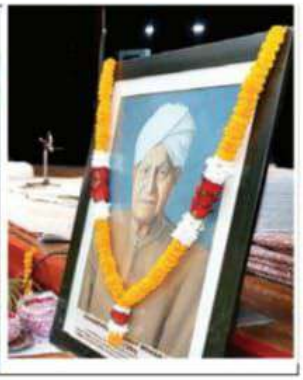

- शिविर में 200 से अधिक वालंटियर्स ने किया रक्तदान

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। शहर के सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में कॉलेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह, वित्त और शिक्षा मंत्री डॉ. पंडित मोहन लाल जी की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत मनीष तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर के उद्घाटन के साथ हुई, जिसमें 200 से अधिक वालंटियर्स ने रक्त दान किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसके बाद एसडी कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष तिवारी द्वारा एक ज्ञानवर्धक पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया गया।

अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना और पंडित मोहन लाल जी को श्रद्धांजलि देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वे अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे—ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व जिन्होंने दो विश्व युद्धों, भारत के विभाजन और पंजाब के तीन विभाजनों के दौर को जिया। इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके मन और दृष्टि में कोई कटुता नहीं थी। अनुभव से उपजी उनकी दूरदृष्टि अद्वितीय थी और पंजाब के भविष्य को लेकर उनके विचार आज भी भविष्यवाणी जैसे सिद्ध हो रहे हैं।

तिवारी ने पंडित जी की पुस्तक ह्यडिसइंटीग्रेशन ऑफ पंजाबह्ण का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति में सक्रिय होने के बावजूद उनकी रचनाओं में व्यक्तिगत कटुता का कोई भाव नहीं था। उनकी पुस्तक में जिन ह्यटिक-टिक करते समय बमोंह्ण की चेतावनी दी गई थी, वे आज सच साबित हो चुकी हैं। वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने अपनी मधुर और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को भावपूर्ण बना दिया। जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव डॉ. अनिरुद्ध जोशी ने पंडित के प्रेरणादायी नेतृत्व और समाज सेवा के प्रति समर्पण को स्मरण किया।

ਐਸ.ਡੀ.ਕਾਲਜ ਵਿਖੇ ਸ਼ਰਧਾਂ ਦੇ ਫੁੱਲ ਅਰਪਣ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਸੰਸਦ ਮੈਂਬਰ ਮਨੀਸ਼ ਤਿਵਾੜੀ। Epaper Ajit ਤਸਵੀਰ : ਕਮਲਜੀਤ ਸਿੰਘ

ਸੰਸਦ ਮੈਂਬਰ ਮਨੀਸ਼ ਤਿਵਾੜੀ ਨੇ ਪੰਡਿਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ 26ਵੀਂ ਬਰਸੀ 'ਤੇ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਕੀਤੀ ਭੇਟ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 30 ਅਗਸਤ (ਮਾਰਕੰਡਾ)- ਐਸ.ਡੀ ਕਾਲਜ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਕੈਂਪਸ ਵਿਖੇ ਡਾ. ਪੰਡਿਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਦੀ 26ਵੀਂ ਬਰਸੀ ਮਨਾਈ ਗਈ। ਬਰਸੀ ਉਪਰੰਤ ਮੁਫ਼ਤ ਮੈਡੀਕਲ ਚੈੱਕ-ਅੱਪ ਅਤੇ ਖ਼ੂਨਦਾਨ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ। ਕੈਂਪ ਦੌਰਾਨ ਵਲੰਟੀਅਰਾਂ ਨੇ ਕਰੀਬ 200 ਤੋਂ ਵੱਧ ਯੂਨਿਟ ਖ਼ੂਨ ਦਾਨ ਕੀਤਾ। ਸੰਸਦ ਮੈਂਬਰ ਮਨੀਸ਼ ਤਿਵਾੜੀ ਨੇ ਡਾ. ਪੰਡਿਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਜੀ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਟ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਕਾਲਜ ਦੇ ਮਾਣਮੱਤੇ ਸਾਬਕਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਤਿਵਾੜੀ ਨੇ ਗਿਆਨਵਾਨ ਪੰਡਿਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਯਾਦਗਾਰੀ ਭਾਸ਼ਨ ਦਿੱਤਾ। ਤਿਵਾੜੀ ਨੇ ਪੰਡਿਤ ਜੀ ਦੀ ਕਿਤਾਬ, 'ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਵਿਘਟਨ' ਦਾ ਹਵਾਲਾ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਰਾਜਨੀਤੀ ਵਿਚ ਸਰਗਰਮ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਲਿਖਤਾਂ ਵਿਚ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਕੁੜੱਤਣ ਦੀ ਅਣਹੋਂਦ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜੀਵਨ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆਵਾਂ ਸਾਨੂੰ ਸਿਖਾਉਂਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਇਤਿਹਾਸ ਤੋਂ ਕੀਮਤੀ ਸਬਕ ਗ੍ਰਹਿਣ ਕਰਨਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੈ। ਐਸ.ਡੀ ਕਾਲਜ ਸੋਸਾਇਟੀ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਵੈਸ਼ਾਲੀ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਸਵਾਗਤੀ ਭਾਸ਼ਣ ਦਿੱਤਾ। ਵ੍ਰਿੰਦਾਵਨ ਦੀ ਮਸ਼ਹੂਰ ਭਜਨ ਗਾਇਕਾ ਆਸਥਾ ਗੋਸਵਾਮੀ ਨੇ ਸੁੰਦਰ ਸੁਰਾਂ ਅਤੇ ਰੂਹਾਨੀ ਭਜਨ ਗਾ ਕੇ ਸ਼ਰਧਾ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕੀਤੀ।

ਐਸ.ਡੀ.ਕਾਲਜ 'ਚ ਮੁਫ਼ਤ ਚੈੱਕਅੱਪ 'ਤੇ ਖ਼ੂਨਦਾਨ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ

Amar Ujala 1-9-25

श्रद्धांजलि

डॉ. पंडित मोहन लाल की 26वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि, सांसद बोले-

अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे पंडित मोहन लाल शर्मा

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। शहर के सांसद मनीष तिवारी ने सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में कॉलेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह, वित्त और शिक्षा मंत्री डॉ. पंडित मोहन लाल की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत मनीष तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर के उद्घाटन के साथ हुई।

शिविर में 200 से अधिक वालंटियर्स ने रक्तदान किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज में निःशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया। एसडी कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष तिवारी ने पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया गया।

मनीष तिवारी ने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना और पंडित मोहन लाल जी को श्रद्धांजलि देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वे अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे। ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व जिन्होंने दो विश्व युद्धों, भारत के विभाजन और पंजाब के तीन विभाजनों के दौर को जीया।

सेक्टर-32 के जीजीडीएसडी कॉलेज में डॉ. पंडित मोहन लाल की 26वीं पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में पहुंचे सांसद मनीष तिवारी। स्रोत : आयोजक

इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके मन और दृष्टि में कोई कटुता नहीं थी। अनुभव से उपजी दूरदृष्टि अद्वितीय थी। पंजाब के भविष्य को लेकर उनके विचार आज भी भविष्यवाणी जैसे सिद्ध हो रहे हैं। तिवारी ने पंडित जी की पुस्तक डिसइंटीग्रेशन ऑफ पंजाब का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति में सक्रिय होने के बावजूद उनकी रचनाओं में व्यक्तिगत कटुता का कोई भाव नहीं था। उनकी पुस्तक में जिन टिक-टिक करते समय बमों की चेतावनी दी गई थी वे आज सच साबित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पंडित जी दूरदर्शी व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि अद्भुत और प्रेरणादायी संस्थान थे। उनका जीवन और शिक्षाएं हमें यह सिखाती हैं कि इतिहास से मूल्यवान सबक लेना कितना आवश्यक है। जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी की अध्यक्ष वैशाली शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि पंडित जी को सबसे अधिक उनके चरित्रबल और विचारों की स्पष्टता व सरलता के लिए याद किया जाता है।

उनका पूरा जीवन मानव सेवा के सिद्धांत से प्रेरित था जिसे उन्होंने शांति और विनम्रता के साथ निभाया। वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने भजन प्रस्तुत की। जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव डॉ. अनिरुद्ध जोशी ने भी अपने विचार रखे।

Arth Parkash 31-8-25

जीजीडीएसडी कॉलेज में पंडित मोहन लाल की 26 वीं पुण्य तिथि पर प्रार्थना सभा आयोजित

रक्तदान शिविर और मेडिकल कैंप भी हुआ आयोजित, सांसद मनीष तिवारी ने दिया पंडित मोहन लाल की स्मृति में आयोजित व्याख्यान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। शहर के सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में कॉलेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह, वित्त और शिक्षा मंत्री डॉ. पंडित मोहन लाल जी की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत मनीष तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर के उद्घाटन के साथ हुई। रक्तदान शिविर में 200 से अधिक वालंटियर्स ने रक्त दान किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसके बाद एसडी कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष तिवारी द्वारा एक ज्ञानवर्धक पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया गया।

अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना और पंडित मोहन लाल जी को श्रद्धांजलि देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वे अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे–ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व जिन्होंने दो विश्व युद्धों, भारत के विभाजन और पंजाब के तीन विभाजनों के दौर को जिया। इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके मन और दृष्टि में कोई कटुता नहीं थी। अनुभव से उपजी उनकी दूरदृष्टि अद्वितीय थी और पंजाब के भविष्य को लेकर उनके विचार आज भी भविष्यवाणी जैसे सिद्ध हो रहे हैं।

तिवारी ने पंडित जी की पुस्तक 'डिसइंटीग्रेशन ऑफ पंजाब' का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति में सक्रिय होने के बावजूद उनकी रचनाओं में व्यक्तिगत कटुता का कोई भाव नहीं था। उनकी पुस्तक में जिन 'टिक-टिक करते समय बमों' की चेतावनी दी गई थी, वे आज सच साबित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पंडित जी केवल एक दूरदर्शी व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि स्वयं में एक अद्भुत और प्रेरणादायी संस्थान थे। उनका जीवन और शिक्षाएं हमें यह सिखाती हैं कि इतिहास से मूल्यवान सबक लेना कितना आवश्यक है।

जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि पंडित जी को सबसे अधिक उनके चरित्रबल और विचारों की स्पष्टता व सरलता के लिए याद किया जाता है। उनका पूरा जीवन मानव सेवा के सिद्धांत से प्रेरित था, जिसे उन्होंने शांति और विनम्रता के साथ निभाया। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और परोपकार उनके लिए मात्र आदर्श नहीं थे, बल्कि जीवन जीने के साधन थे। इन्हीं स्थायी मूल्यों से हमें आज भी प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है।

जीजीडीएसडी कॉलेज में पंडित मोहन लाल की पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा आयोजित

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

शहर के सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में कॉलेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह, वित्त और शिक्षा मंत्री डॉ. पंडित मोहन लाल जी की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत मनीष तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर के उद्घाटन के साथ हुई। रक्तदान शिविर में 200 से अधिक वालंटियर्स ने रक्त दान किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसके बाद एसडी कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष तिवारी द्वारा एक ज्ञानवर्धक पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया गया। अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना और पंडित मोहन लाल जी को श्रद्धांजलि देना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

वे अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे–ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व जिन्होंने दो विश्व युद्धों, भारत के विभाजन और पंजाब के तीन विभाजनों के दौर को जिया। इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके मन और दृष्टि में कोई कटुता नहीं थी। अनुभव से उपजी उनकी दूरदृष्टि अद्वितीय थी और पंजाब के भविष्य को लेकर उनके विचार आज भी भविष्यवाणी जैसे सिद्ध हो रहे हैं।

Chandigarh Tribune 30.8.25

TWENTY SIXTH DEATH ANNIVERSARY

The devine light that guided us passed away this day
Leaving behind the legacy that continue to inspire us

PANDIT MOHAN LAL JI

Founder of PML SD Educational Society

LANGAR IN HIS MEMORY ON TWENTY FIFTH DEATH ANNIVERSARY:

Dates of Langar and venue:

On 30-08-2025 Gurudwara Sri Singh Sabha, 46-C, Chd
On 01-09-2025 Langar outside GMCH, 32, Chd
On 02-09-2025 Langar outside GMCH,32, Chd
On 03-09-2025 Gurudwara Sri Singh Sabha, 46-C, Chd
On 05-09-2025 Langar outside GMCH, 32, Chd

Contribution made by:

* PML SD Educational Society (Regd)
* PML SD Public School, Sector 19-C, Chandigarh
* Sh Kewal Krishan Charitable Trust

Deeply remembered by:

Management, Principal, Staff and Students of
Pandit Mohan Lal S.D. Public School, Sector 19-C, Chandigarh.

TWENTY SIXTH DEATH ANNIVERSARY

The devine light that guided us passed away this day
Leaving behind the legacy that continue to inspire us

PANDIT MOHAN LAL JI

Founder of Pandit Mohan Lal S.D. Public School Sector 32-C, Chandigarh

LANGAR IN HIS MEMORY ON TWENTY FIFTH DEATH ANNIVERSARY:

Dates of Langar and venue:

On 30-08-2025 Langar outside GMCH, 32, Chd
On 31-08-2025 Langar out side GMCH, 32, Chd
On 31-08-2025 Gurudwara Sri Singh Sabha, 46-C,Chd
On 03-09-2025 Langar outside GMCH, 32, Chd
On 04-09-2025 Langar outside GMCH, 32, Chd
On 05-09-2025 Gurudwara Sri Singh Sabha, 46-C,Chd
On 06-09-2025 Langar outside GMCH, 32, Chd

Contribution made by:

*PML SD Public School, Sector 32-C, Chandigarh
* PML SD Public School Student Welfare Fund
* PML Memorial Basketball Association.

Deeply remembered by:

Management, Principal, Staff and Students of
Pandit Mohan Lal S.D. Public School, Sector 32-C, Chandigarh

Dainik Jagran 31-8-25

एसडी कालेज में 200 लोगों ने रक्तदान किया

सेक्टर-32 एसडी कालेज में पंडित मोहन लाल की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर लगाया गया। सांसद मनीष तिवारी भी इस मौके पर पहुंचे ● एसडी कालेज

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ :

सेक्टर-32 स्थित एसडी कालेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह, वित्त और शिक्षा मंत्री डा. पंडित मोहन लाल जी की 26वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कालेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 200 लोगों ने रक्तदान किया। चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कालेज में नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन भी किया गया, जिसके बाद सांसद तिवारी ने पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। तिवारी ने पंडित जी की पुस्तक 'डिसइंटीग्रेशन ऑफ पंजाब' का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति में सक्रिय रहने के बावजूद उनकी रचनाओं में व्यक्तिगत कटुता का अभाव था। इस अवसर पर जीजीडीएसडी कालेज सोसाइटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा भी उपस्थित थीं। एसडी कालेज सोसाइटी के महासचिव डा. अनिरुद्ध जोशी ने पंडित जी के प्रेरणादायी नेतृत्व और समाज सेवा के प्रति समर्पण को याद किया। कालेज के छात्र तलविंदर सिंह ने 22वीं बार रक्तदान किया।

Dainik Savera Times 31-8-25

जीजीडीएसडी कॉलेज में पंडित मोहन लाल की 26वीं पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा आयोजित

रक्तदान शिविर और मैडिकल कैंप भी हुआ आयोजित, सांसद मनीष तिवारी ने दिया पंडित मोहन लाल की स्मृति में व्याख्यान

समारोह में उपस्थित अतिथि।

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 30 अगस्त : सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को सैक्टर-32 गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में कॉलेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह, वित्त और शिक्षा मंत्री डॉ. पंडित मोहन लाल की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्र म की शुरु आत मनीष तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर के उद्घाटन के साथ हुई। रक्तदान शिविर में 200 से अधिक वालंटियर्स ने रक्त दान किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसके बाद एसडी कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष तिवारी द्वारा एक ज्ञानवर्धक पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया गया। संबोधन में सांसद ने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना और पंडित मोहन लाल को श्रद्धांजलि देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वे अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे–ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व जिन्होंने दो विश्व युद्धों, भारत के विभाजन और पंजाब के तीन विभाजनों के दौर को जिया। इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके मन और दृष्टि में कोई कटुता नहीं थी। अनुभव से उपजी उनकी दूरदृष्टि अद्वितीय थी और पंजाब के भविष्य को लेकर उनके विचार आज भी भविष्यवाणी जैसे सिद्ध हो रहे हैं।

तिवारी ने पंडित की पुस्तक डिसइंटीग्रेशन ऑफ पंजाब का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति में सक्रिय होने के बावजूद उनकी रचनाओं में व्यक्तिगत कटुता का कोई भाव नहीं था। उनकी पुस्तक में जिन 'टिक-टिक करते समय बमों' की चेतावनी दी गई थी, वे आज सच साबित हो चुकी हैं। जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि पंडित जी को सबसे अधिक उनके चिरत्रबल और विचारों की स्पष्टता व सरलता के लिए याद किया जाता है।

उनका पूरा जीवन मानव सेवा के सिद्धांत से प्रेरित था, जिसे उन्होंने शांति और विनम्रता के साथ निभाया। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और परोपकार उनके लिए मात्र आदर्श नहीं थे, बल्कि जीवन जीने के साधन थे। वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने अपनी मधुर और भिक्तमय प्रस्तुतियों से कार्यक्र म को भावपूर्ण बना दिया। जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव डॉ. अनिरु द्ध जोशी ने पंडित जी के प्रेरणादायी नेतृत्व और समाज सेवा के प्रति समर्पण को स्मरण किया। स्वयंसेवकों की उत्साही भागीदारी को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कॉलेज के तलविंदर सिंह चमकारा का उल्लेख किया गया, जिन्होंने पंडित मोहन लाल जी की पुण्यतिथि के अवसर पर 22वीं बार रक्तदान किया।

Divya Himachal 31-8-25

200 ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

एसडी कालेज में सांसद मनीष तिवारी ने किया शिविर का आगाज

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

चंडीगढ़ शहर के सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में कॉलेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह वित्त और शिक्षा मंत्री डा. पंडित मोहन लाल की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत मनीष तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर के उद्घाटन के साथ हुई। रक्तदान शिविर में 200 से अधिक वालंटियर्स ने रक्त दान किया। इसके अतिरिक्त कालेज में नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इसके बाद एसडी कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष तिवारी द्वारा एक ज्ञानवर्धक पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया गया।

वहीं, अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना और पंडित मोहन लाल जी को श्रद्धांजलि देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वे अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे, ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व जिन्होंने दो विश्व युद्धों, भारत के विभाजन और पंजाब के तीन विभाजनों के दौर को जिया। इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके मन और दृष्टि में कोई कटुता नहीं थी। अनुभव से उपजी उनकी दूरदृष्टि अद्वितीय थी और पंजाब के भविष्य को लेकर उनके विचार आज भी भविष्यवाणी जैसे सिद्ध हो रहे हैं।

जीजीडीएसडी कॉलेज में पंडित मोहन लाल की 26वीं पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा आयोजित

रक्तदान शिविर और मेडिकल कैंप भी हुआ आयोजित, सांसद मनीष तिवारी ने दिया पंडित मोहन लाल की स्मृति में व्याख्यान

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल।

शहर के सांसद मनीष तिवारी ने सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में कॉलेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह, वित्त और शिक्षा मंत्री डॉ. पंडित मोहन लाल जी की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत मनीष तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर के उद्घाटन के साथ हुई। रक्तदान शिविर में 200 से अधिक वालंटियर्स ने रक्त दान किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसके बाद एसडी कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष तिवारी द्वारा एक ज्ञानवर्धक पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया गया।अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना और पंडित मोहन लाल जी को श्रद्धांजलि देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वे अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे—ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व जिन्होंने दो विश्व युद्धों, भारत के विभाजन और पंजाब के तीन विभाजनों के दौर को जिया। इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके मन और दृष्टि में कोई कटुता नहीं थी। अनुभव से उपजी उनकी दूरदृष्टि अद्वितीय थी और पंजाब के भविष्य को लेकर उनके विचार आज भी भविष्यवाणी जैसे सिद्ध हो रहे हैं।तिवारी ने पंडित जी की पुस्तक 'डिसइंटीग्रेशन ऑफ पंजाब' का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति में सक्रिय होने के बावजूद उनकी रचनाओं में व्यक्तिगत कटुता का कोई भाव नहीं था। उनकी पुस्तक में जिन 'टिक-टिक करते समय बमों' की चेतावनी दी गई थी, वे आज सच साबित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पंडित जी केवल एक दूरदर्शी व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि स्वयं में एक अद्भुत और प्रेरणादायी संस्थान थे। उनका जीवन और शिक्षाएं हमें यह सिखाती हैं कि इतिहास से मूल्यवान सबक लेना कितना आवश्यक है।जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि पंडित जी को सबसे अधिक उनके चरित्रबल और विचारों की स्पष्टता व सरलता के लिए याद किया जाता है। उनका पूरा जीवन मानव सेवा के सिद्धांत से प्रेरित था, जिसे उन्होंने शांति और विनम्रता के साथ निभाया। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और परोपकार उनके लिए मात्र आदर्श नहीं थे, बल्कि जीवन जीने के साधन थे। इन्हीं स्थायी मूल्यों से हमें आज भी प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है। वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने अपनी मधुर और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को भावपूर्ण बना दिया।

जीजीडीएसडी कॉलेज में पंडित मोहन लाल की 26 वीं पुण्य तिथि पर प्रार्थना सभा आयोजित

➪ रक्तदान शिविर और मेडिकल कैंप आयोजित, सांसद तिवारी ने दिया पंडित मोहन लाल की स्मृति में आयोजित व्याख्यान

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। शहर के सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में कॉलेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह, वित्त और शिक्षा मंत्री डॉ. पंडित मोहन लाल जी की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत मनीष तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर के उद्घाटन के साथ हुई। रक्तदान शिविर में 200 से अधिक वालंटियर्स ने रक्त दान किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसके बाद एसडी कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष तिवारी द्वारा एक ज्ञानवर्धक पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया गया।

अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना और पंडित मोहन लाल जी को श्रद्धांजलि देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वे अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे–ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व जिन्होंने दो विश्व युद्धों, भारत के विभाजन और पंजाब के तीन विभाजनों के दौर को जिया। इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके मन और दृष्टि में कोई कटुता नहीं थी। अनुभव से उपजी उनकी दूरदृष्टि अद्वितीय थी और पंजाब के भविष्य को लेकर उनके विचार आज भी भविष्यवाणी जैसे सिद्ध हो रहे हैं। तिवारी ने पंडित जी की पुस्तक 'डिसइंटीग्रेशन ऑफ पंजाब' का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति में सक्रिय होने के बावजूद उनकी रचनाओं में व्यक्तिगत कटुता का कोई भाव नहीं था। उनकी पुस्तक में जिन 'टिक-टिक करते समय बमों' की चेतावनी दी गई थी, वे आज सच साबित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पंडित जी केवल एक दूरदर्शी व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि स्वयं में एक अद्भुत और प्रेरणादायी संस्थान थे। उनका जीवन और शिक्षाएं हमें यह सिखाती हैं कि इतिहास से मूल्यवान सबक लेना कितना आवश्यक है।

जीजीडीएसडी कॉलेज में पंडित मोहन लाल की 26 वीं पुण्य तिथि पर प्रार्थना सभा आयोजित

रक्तदान शिविर और मेडिकल कैंप भी हुआ आयोजित, सांसद मनीष तिवारी ने दिया पंडित मोहन लाल की स्मृति में आयोजित व्याख्यान

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। शहर के सांसद मनीष तिवारी ने सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में कॉलेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह, वित्त और शिक्षा मंत्री डॉ. पंडित मोहन लाल जी की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत मनीष तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर के उद्घाटन के साथ हुई। रक्तदान शिविर में 200 से अधिक वालंटियर्स ने रक्त दान किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसके बाद एसडी कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष तिवारी द्वारा एक ज्ञानवर्धक पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया गया।

अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना और पंडित मोहन लाल जी को श्रद्धांजलि देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वे अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे–ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व जिन्होंने दो विश्व युद्धों, भारत के विभाजन और पंजाब के तीन विभाजनों के दौर को जिया। इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके मन और दृष्टि में कोई कटुता नहीं थी। अनुभव से उपजी उनकी दूरदृष्टि अद्वितीय थी और पंजाब के भविष्य को लेकर उनके विचार आज भी भविष्यवाणी जैसे सिद्ध हो रहे हैं।

तिवारी ने पंडित जी की पुस्तक ह्यडिसइंटीग्रेशन ऑफ पंजाबह्ल का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति में सक्रिय होने के बावजूद उनकी रचनाओं में व्यक्तिगत कटुता का कोई भाव नहीं था। उनकी पुस्तक में जिन ह्यटिक-टिक करते समय बमोंह्ल की चेतावनी दी गई थी, वे आज सच साबित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पंडित जी केवल एक दूरदर्शी व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि स्वयं में एक अद्भुत और प्रेरणादायी संस्थान थे। उनका जीवन और शिक्षाएं हमें यह सिखाती हैं कि इतिहास से मूल्यवान सबक लेना कितना आवश्यक है।

जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि पंडित जी को सबसे अधिक उनके चरित्रबल और विचारों की स्पष्टता व सरलता के लिए याद किया जाता है। उनका पूरा जीवन मानव सेवा के सिद्धांत से प्रेरित था, जिसे उन्होंने शांति और विनम्रता के साथ निभाया। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और परोपकार उनके लिए मात्र आदर्श नहीं थे, बल्कि जीवन जीने के साधन थे। इन्हीं स्थायी मूल्यों से हमें आज भी प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है।

वृंदावन की प्रसिद्ध भजन गायिका आस्था गोस्वामी ने अपनी मधुर और भक्तिमय प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को भावपूर्ण बना दिया। जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव डॉ. अनिरुद्ध जोशी ने पंडित जी के प्रेरणादायी नेतृत्व और समाज सेवा के प्रति समर्पण को स्मरण किया। स्वयंसेवकों की उत्साही भागीदारी को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कॉलेज के तलविंदर सिंह चमकारा का उल्लेख किया गया, जिन्होंने पंडित मोहन लाल जी की पुण्यतिथि के अवसर पर 22वीं बार रक्तदान किया।

Tewari pays tribute to Pandit Mohan Lal at GGDSD College

City MP Manish Tewari, along with the GGDSD College fraternity, paying homage to Dr. Pandit Mohan Lal ji on his 26th death anniversary at GGDSD College in Chandigarh on Saturday.

Blood donation camp, Medical check-ups, and thought-provoking lecture mark 26th death anniversary

Manish Tewari inaugurating the blood donation camp at GGDSD College in Chandigarh on Saturday.

@ The Savera Times

Network

Chandigarh : On the 26th death anniversary of Dr. Pandit Mohan Lal Ji, Member of Parliament Manish Tewari, along with the GGDSD College fraternity, paid a heartfelt tribute at Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma College in Chandigarh. The event kicked off with the inauguration of a blood donation camp by Tewari, where over 200 units of blood were donated by enthusiastic volunteers. A free medical camp followed, serving the community's health needs.

In his address, Tewari lauded Pandit Ji as a visionary whose experiences through tumultuous times shaped his rare wisdom. He highlighted Pandit Ji's book 'Disintegration of Punjab,' noting how its predictions have proven prophetic. Tewari emphasized that Pandit's legacy transcends his writings, portraying him as an institution of enlightenment.

GGDSD College Society President, Ms. Vaishali Sharma, spoke of Pandit Ji's character, emphasizing his humility, service to humanity, and unwavering values. The event concluded with soulful bhajans by renowned singer Smt. Aastha Goswami and reflections from Dr. Anirudh Joshi. Notably, volunteer Talvinder Singh Chamkara donated blood for the 22nd time in honor of the occasion.

जीजीडीएसडी कॉलेज में पं. मोहन लाल की पुण्य तिथि पर रक्तदान और मेडिकल कैंप आयोजित

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़ (विज) : शहर के सांसद मनीष तिवारी ने सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में कॉलेज के संस्थापक और पंजाब के पूर्व गृह, वित्त और शिक्षा मंत्री डॉ. पंडित मोहन लाल जी की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत मनीष तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर के उद्घाटन के साथ हुई। रक्तदान शिविर में 200 से अधिक वालंटियर्स ने रक्त दान किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसके बाद एसडी कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष तिवारी द्वारा एक ज्ञानवर्धक पंडित मोहन लाल स्मृति व्याख्यान दिया गया।

अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि अपने शिक्षण संस्थान में लौटकर इस अवसर का हिस्सा बनना और पंडित मोहन लाल जी को श्रद्धांजलि देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वे अविभाजित पंजाब के सच्चे पुत्र थे–ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व जिन्होंने दो विश्व युद्धों, भारत के विभाजन और पंजाब के तीन विभाजनों के दौर को जिया। इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके मन और दृष्टि में कोई कटुता नहीं थी। तिवारी ने पंडित जी की पुस्तक 'डिसइंटीग्रेशन ऑफ पंजाब' का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीति में सक्रिय होने के बावजूद उनकी रचनाओं में व्यक्तिगत कटुता का कोई भाव नहीं था। उनकी पुस्तक में जिन 'टिक-टिक करते समय बमों' की चेतावनी दी गई थी, वे आज सच साबित हो चुकी हैं।